

संस्कार ही हमारी पहचान

महिलाओं का हमारे समाज में बहुत सम्मान है। नारी की पूजा की जाती है। हमारी संस्कृति और सभ्यता ही हमारी पहचान है। हमारे संस्कार ही हमको समाज में पहचान दिलाते हैं।



इसलिए अपने संस्कारों को कभी भी नहीं भूलना चाहिए। हम संस्कार के कारण ही जाने

जाते हैं। हम लाख तरक्की करें लेकिन अपने संस्कारों को कभी ना भूलें। लड़कियों और महिलाओं को अपने पारिवारिक संस्कार, समाज के संस्कारों को हमेशा साथ में लेकर चलना चाहिए। पूज्य होने से कभी भी हमें अपने मिले हुए अधिकारों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

- डा. ममता सिंह, स्त्री रोग विशेषज्ञ, बीएचयू।

डॉ संध्या भूषण⁴ सम्मान से सम्मानित

वाराणसी। चिकित्सा व समाजसेवा के क्षेत्र में किये गए उत्कृष्ट योगदान के लिए चिकित्सा विज्ञान संस्थान,



काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की पूर्व सीनियर रेसिडेंट एवं वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. संध्या यादव को इंटरनेशनल हेल्पिंग फाउंडेशन द्वारा अंतराष्ट्रीय भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। डॉ. संध्या यादव ने समय-समय पर अपने सहयोगियों के साथ मिलकर गरीब बस्तियों में सेवा भाव के साथ निशुल्क चिकित्सा शिविर में महिलाओं को मुफ्त चिकित्सीय परामर्श, जांच व दवाइयां उपलब्ध करवाई हैं। गौरतलब हो कि आप गांव गांव जाकर लोगों को रोगों से बचाने के साथ ही उनके स्वास्थ्य की देखभाल कर रहे हैं। महिला रोगों पर इनके आलेख पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं।

सर्दियों में ध्यान दें गर्भवती महिलाएं लापरवाही हो सकती है खतरनाक

वाराणसी (एसएनबी)। सर्दियों के मौसम में गर्भवती महिलाओं को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। उन्हें अपनी सेहत एवं डाइट का ख्याल रखना पड़ता है सर्दियों में गर्भावस्था के दौरान सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू आदि की समस्या हो सकती है, ऐसे में डॉक्टर के परामर्श के बिना ली जाने वाली दवाएं शिशु के लिए खतरनाक हो सकती हैं। डॉ. संध्या यादव, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं पूर्व सीनियर रेजिडेंट, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बीएचयू का कहना है कि ताजे फल सब्जियां, नट्स, विटामिन सी से भरपूर आहार जैसे संतरा आदि और ब्रोकली का सेवन करें जिससे प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो और सर्दी जुकाम से लड़ने में मदद मिले। ठंडे खाद्य पदार्थों के सेवन से परहेज करें।

डॉक्टर यादव ने बताया कि सर्दियों के दौरान त्वचा की समस्या जैसे त्वचा का रूखापन, शरीर में खुजली होना कि समस्या हो सकती है अतः त्वचा को हाइड्रेटेड रखने के लिए पानी या तरल पदार्थों का सेवन उचित मात्रा में करें। गर्भावस्था के दौरान स्त्री के भोजन में कैल्शियम, प्रोटीन तथा विटामिन का समुचित मात्रा में होना बहुत ही आवश्यक होता है।

कैल्शियम : दूध से बनी सभी वस्तुएं जैसे



पनीर, दही, मक्खन, अंडे इत्यादि में कैल्शियम काफी अधिक मात्रा में पाया जाता है।

लौह : हरी तथा पत्तेदार सब्जियां, गुड़, अंकुरित मूंगदाल, भूना चना, अनार, सेव, चुकुंदर और सोयाबीन में लौह तत्व अधिक मात्रा में पाया जाता है।

प्रोटीन : गर्भावस्था में बच्चे के शरीर की रचना के लिए प्रोटीन बहुत ही आवश्यक है। दाल, अंडे आदि में प्रोटीन अधिक मात्रा में पाया जाता है।

फोलिक एसिड : बच्चे के पैदा होने और शारीरिक विकास में बहुत ही आवश्यक होता है। फोलिक एसिड गहरे रंग वाली हरी सब्जियों, मक्का, मक्के का आटा, चावल, केला तथा ब्रॉकली में पूर्ण रूप से पाया जाता है।

ठंड के मौसम में अक्सर गर्भवती स्त्रियां एक ही स्थान पर ज्यादा देर तक बैठी रह जाती हैं ऐसा उचित नहीं है उन्हें हल्के-फुल्के कार्य एवं डॉक्टर की सलाह से व्यायाम करना चाहिए। कार्य एवं व्यायाम के दौरान गर्मी का एहसास होने पर तुरंत कपड़े नहीं उतारना चाहिए। ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़े एवं पैरों में मोजे पहने।

सर्दियों में गर्भवती महिलाएं 2

खान-पान का रखें खास ध्यान

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर संध्या यादव ने दी सलाह, भोजन में कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन एवं फोलिक एसिड की हो समुचित मात्रा

सर्दियों के मौसम में गर्भवती महिलाओं को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। उन्हें अपनी सेहत एवं डाइट का ख्याल रखना चाहिए है। सर्दियों में गर्भावस्था के दौरान सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू आदि की समस्या हो सकती है। ऐसे में डॉक्टर के परामर्श के बिना ली जाने वाली दवाएं शिशु के लिए खतरनाक हो सकती हैं। काशी हिंदू विश्वविद्यालय चिकित्सा विज्ञान संस्थान की पूर्व सीनियर रेजिडेंट एवं प्रसूति और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर संध्या यादव ने सर्दी के इस मौसम में गर्भवती महिलाओं को ताजा फल, सब्जियां, नट्स, विटामिन सी से भरपूर आहार का सेवन करने की सलाह दी जिससे प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो। ठंडे



खाद्य पदार्थों के सेवन से परहेज करें। गर्भावस्था के दौरान स्त्री के भोजन में कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन एवं फोलिक एसिड का समुचित मात्रा में होना बहुत ही आवश्यक है। इसके लिए दाल, पनीर, मक्खन, अंडे, हरी तथा पत्तेदार सब्जियां, गुड़, अंकुरित मूंगदाल, भूना चना, अनार, सेब, चुकंदर, सोयाबीन, मक्के का आटा, चावल, केला तथा ब्रॉकली का सेवन करें। एक ही स्थान पर ज्यादा देर तक बैठने के बजाए हल्के-फुल्के कार्य एवं डॉक्टर की सलाह से व्यायाम करना चाहिए। कार्य एवं व्यायाम के दौरान गर्मी का एहसास होने पर तुरंत कपड़े नहीं उतारना चाहिए। ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़े एवं पैरों में मोजे पहने।

डॉक्टर संध्या यादव अंतरराष्ट्रीय भूषण सम्मान से सम्मानित

चिकित्सा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में किये गए उत्कृष्ट योगदान के लिए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय चिकित्सा विज्ञान संस्थान की पूर्व सीनियर रेजिडेंट एवं वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर संध्या यादव को इंटरनेशनल हेल्पिंग फाउंडेशन द्वारा अंतरराष्ट्रीय भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि डॉक्टर संध्या यादव ने समय-समय पर अपने सहयोगियों के साथ मिलकर गरीब बस्तियों में सेवा भाव के साथ निःशुल्क चिकित्सा शिविर में महिलाओं को मुफ्त चिकित्सीय परामर्श, जांच व दवाइयां उपलब्ध करवाई हैं। गांव-गांव जाकर लोगों को रोगों से बचाने के साथ ही उनके स्वास्थ्य की देखभाल कर रही हैं। महिला रोगों पर इनके आलेख पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं। 2

वार्षिक अधिवेशन में चिकित्सकों ने प्रस्तुत किया शोध पत्र 4



एपीआई के वाराणसी चैटर के वार्षिक अधिवेशन में दीप प्रज्वलित करते डाक्टर संस्था

जामरुण संवाददाता, वाराणसी : एपीआई लाइफ टाइम एचीवमेंट एसोसिएशन आफ फिजिशियन के वाराणसी चैटर का वार्षिक अधिवेशन रविवार को होटल रेडिसन में आयोजित किया गया। इसमें देश के कई हिस्सों से आए चिकित्सकों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

संगोष्ठी का उद्घाटन चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक व काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व रेक्टर प्रो. वीपी सिंह, प्रोफेसर व वैज्ञानिक डा. श्यामसुंदर ने किया। कार्यक्रम में एपीआई लीजेंड अवार्ड से डा. एसबी सिंह, डा. अशोक भट्ट को व

पुरस्कार से प्रोफेसर आइएस गंभीर और डा. एसजे सिंह को प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्था के सचिव डा. अखिलेश सिंह, स्वास्थ्य संस्था के चेयरमैन डा. अश्वनी टंडन और धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर डा. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने दिया। इस अवसर पर पर डा. हेमंत गुप्ता, डा. आलोक सिंह, डा. दीपक गौतम, डा. मोनिका गुप्ता, डा. केके गुप्ता, डा. एके सिंह, डा. ओपी तिवारी, डा. संजय राय, प्रोफेसर एलपी मीना, डा. मनोज यादव आदि लोग रहे।

डॉ. एसबी सिंह और डॉ. अशोक को मिला अवार्ड 3



वाराणसी। एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन (एपी) की ओर से कैटोमेट स्थित होटल में संगोष्ठी हुई। उद्घाटन बीएचयू के पूर्व रेक्टर प्रो. वीपी सिंह ने किया। इस दौरान एपीआई लीजेंड अवार्ड डॉ. एसबी सिंह, डॉ. अशोक भट्ट को मिला। वहीं एपीआई लाइफ टाइम एचीवमेंट सम्मान प्रो. आइएस गंभीर एवं डॉ. एसजे सिंह को दिया गया। सचिव डॉ. अखिलेश सिंह ने संचालन, डॉ. अश्वनी टंडन एवं डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने आभार जताया। इस दौरान डॉ. श्याम सुंदर, डॉ. एसजे सिंह, डॉ. हेमंत गुप्ता, डॉ. मोनिका गुप्ता, डॉ. आलोक सिंह, डॉ. दीपक गौतम, डॉ. केके गुप्ता, डॉ. एके सिंह, डॉ. ओपी तिवारी, डॉ. संजय राय, प्रो. एलपी मीना, डॉ. मनोज यादव थे।

प्रो. सुधीर जैन के कार्यकाल का अंतिम दिन

32

वाराणसी। बीएचयू में सोमवार को कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल का अंतिम दिन है। शिक्षा मंत्रालय से पत्र आने के बाद रेक्टर प्रो. संजय कुमार को कार्यवाहक कुलपति का पदभार दिया जा सकता है। कुलपति प्रो. जैन ने रविवार को भी पूरे दिन काम किया। पेंडिंग फाइलों को तेजी से निपटाया। इसके साथ ही बीएचयू और आईआईटी-बीएचयू के बीच तालमेल के लिए बनी कमेटी को लेकर प्रक्रिया पूरी कराई। बीएचयू के स्थायी कुलपति का भी नाम जल्द ही सामने आ सकता है। अंतिम तीन नाम राष्ट्रपति को भी भेज दिए गए हैं। देर रात उन्होंने फेसबुक पर पोस्ट किया और अपने कार्यकाल के बारे में बताया। व्यूरो

कृषि व प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति बने प्रो. एसबीएस राजू

वाराणसी। बीएचयू विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एसबीएस राजू को बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बांदा का कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रो. राजू कृषि विज्ञान संस्थान के कीट एवं कृषि जंतु विज्ञान विभाग में आचार्य हैं तथा वर्ष 1991 से बीएचयू में कार्यरत हैं। वे विभिन्न शैक्षणिक व प्रशासनिक पदों एवं शिक्षण व अनुसंधान में सक्रिय योगदान देते रहे हैं। वे वर्ष 2008 से आचार्य के पद पर कार्यरत हैं। प्रो. राजू ने महाराष्ट्र व हिमाचल प्रदेश से कृषि में स्नातक व परास्नातक की उपाधि अर्जित की है। उन्होंने वर्ष 1990 में बीएचयू से पीएचडी की उपाधि हासिल की। प्रो. राजू के मार्गदर्शन में अब तक लगभग दो दर्जन शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्राप्त हो चुकी है। वे विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। साथ ही साथ अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास परिसर तथा डा. एसआरके छात्रावास के मुख्य संरक्षक हैं। वे अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के प्रवेश के समन्वयन की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। उन्हें अगस्त 2023 में कृषि विज्ञान संस्थान का निदेशक नियुक्त किया गया था।



4

बीएचयू के 9 कोर्स में 19 टीचिंग एसोसिएट-असिस्टेंट की होंगी नियुक्तियाँ

57-63 हजार होगा वेतन, आवेदन की अंतिम तिथि 21 जनवरी, साउथ कैंपस में भी पांच पदों पर होगी भर्ती

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू में 9 कोर्स पहले के लिए 19 टीचिंग एसोसिएट और टीचिंग असिस्टेंट की नियुक्ति होगी। नेट, पीएचडी, एमबीए, एमएससी और एम्टेक कर चुके अभ्यर्थियों की सविदा पर भर्तियां की जाएंगी। टीचिंग एसोसिएट को 63 हजार रुपये और टीचिंग असिस्टेंट को 57 हजार रुपये मासिक वेतन दिया जाएगा।

आवेदन की अंतिम तिथि 21 जनवरी है। मुख्य परिसर में 14 और मिर्जापुर के बरकछा स्थित राजीव गांधी साउथ कैंपस में पांच पदों पर नियुक्ति होगी। आवेदन करने वालों को शॉर्टलिस्ट कर इंटरव्यू के लिए कॉल

कंप्यूटर साइंस में पीएचडी जरूरी : कंप्यूटर साइंस में टीचिंग एसोसिएट के लिए पीएचडी और टीचिंग असिस्टेंट पद के लिए एमएससी, एमटैक और एमबीए पास अभ्यर्थी ही योग्य होंगे।

विधि संकाय, उड़िया और पर्यावरण विज्ञान को मिलकर कुल सात पदों में आवेदन करने के लिए संबंधित विषय में पोस्ट ग्रेजुएशन होना जरूरी है। इसमें पीएचडी वैकल्पिक है। एग्रीकल्चर और मृदा विज्ञान के लिए एमएससी-एजी और पीएचडी (वैकल्पिक) है। बौद्धिक के लिए एमफार्म और नेट-पीएचडी (वैकल्पिक) है। फार्मसी के लिए एमफार्म और रिटेल मेनेजमेंट के पद के लिए पीजी, चार्टर्ड अकाउंटेंट क्वालिफाइड योग्य होंगे। इसमें भी पीएचडी वैकल्पिक है।

लेटर मेल पर भेजा जाएगा। टीचिंग एसोसिएट के लिए पीएचडी और असिस्टेंट के लिए पीजी योग्यता निश्चित

ऑनलाइन होंगे

आवेदन

बीएचयू में 19 टीचिंग एसोसिएट और टीचिंग असिस्टेंट के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन पत्र और दस्तावेज की हार्ड कॉपी बीएचयू के होल्डर हाउस स्थित फ़िक्टेडमेंट एंड प्रेसिडेंट सेल में डिप्टी रेजिस्ट्रार के नाम भेजनी होंगी।

की गई है। असिस्टेंट पद पर पीएचडी वैकल्पिक होगा। वहीं, टीचिंग अनुभव भी अनिवार्य नहीं रहेगा।

सबसे ज्यादा आठ टीचिंग एसोसिएट और असिस्टेंट विधि संकाय में नियुक्त होंगे। यहां पर जनरल की पांच सीट, ऑबीसी की दो और अनुसूचित जाति की एक सीट पर भर्ती होगी। पर्यावरण विज्ञान में चार पदों पर नियुक्तियां होंगी। इसमें जनरल के चार और ऑबीसी की एक सीट है।

मुख्य परिसर स्थित डीएसटी में कंप्यूटर साइंस और कला संकाय में उड़िया के टीचिंग एसोसिएट और टीचिंग असिस्टेंट की नियुक्ति की जाएगी। बीएससी एजी कोर्स में एग्रीकल्चर और मृदा विज्ञान-कृषि रसायन के लिए एक-एक पदों पर नियुक्ति होगी। इसके अलावा बौद्धिक, फार्मसी और लॉजिस्टिक्स एंड रिटेल मेनेजमेंट पद पर एक-एक एसोसिएट रखे जाएंगे।

परीक्षा की कॉपी से पेज की चोरी पर 2 साल के लिए होगा विवि से निष्कासन

बीएचयू के 35 हजार विद्यार्थियों के लिए स्टूडेंट्स हैंडबुक, परीक्षा नियमों में कड़े दंड का प्रावधान

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू में परीक्षा के बीच अब कॉपियों में गड़बड़ी, पेज की चोरी करने वाले छात्र-छात्राओं को दो साल के लिए विश्वविद्यालय से निष्काशित कर दिया जाएगा। कॉपी फाड़ने या असभ्य भाषा का इस्तेमाल करने पर पूरे सेमेस्टर परीक्षा से बाहर कर दिया जाएगा। परीक्षा के दौरान आपस में बातचीत करने पर वार्निंग दी जाएगी। दोबारा ऐसा करने पर उस पेपर की परीक्षा देने से अभ्यर्थी को रोक दिया जाएगा।

बीएचयू में बीते 3 जनवरी को हुई एकेडमिक कार्डसिल की बैठक में 123 पेज का एजेंडा प्रस्तुत किया गया था। इसमें 20 पेज के स्टूडेंट्स हैंडबुक में 10 बिंदुओं की विषय सूची दी गई है। इसमें उपस्थिति के नियम, परीक्षा पैटर्न, पुनर्मूल्यांकन के नियम, बैक पेपर व सप्लीमेंट्री परीक्षा, पुनर्प्रवेश प्रक्रिया, अभ्यर्थियों की रैंकिंग के नियम, कोर्स ब्रेक और अनुचित साधनों के साथ पकड़े जाने पर कार्रवाई के नियमों के बारे बताया गया है। बीएचयू ने 35 हजार छात्र-छात्राओं के लिए ये स्टूडेंट्स हैंडबुक तैयार कराई है।

हर विषय में कम से कम 50 फीसदी उपस्थिति : बीएचयू में उपस्थिति के नियमों को सख्त किया गया है। इसके तहत हर विषय में कम से कम 50 प्रतिशत उपस्थिति जरूरी है। वहीं, अगर विश्वविद्यालय के किसी आयोजन में हिस्सा लेने की वजह से कोई विद्यार्थी क्लास नहीं कर पाता है तो उसे कौन्सेलिंग अटेंडेंस (क्षमादान हाजिरी) के तहत 30 फीसदी की छूट मिल सकती है। इसमें से 10 फीसदी उपस्थिति की छूट बिना आवेदन किए ही मिल जाएगी। बाकी 20 फीसदी में छात्रों को अपने डॉन, विभागाध्यक्ष और प्राचार्य से अनुमति लेनी होगी। इसके लिए पांच शर्तें हैं। एनसीसी और एनएसएस कैम्प, कॉलेज टीम के गेम्स, शैक्षणिक टूर, यूथ फेस्टिवल, बीएचयू या किसी दूसरे सरकारी अस्पताल द्वारा जारी मेडिकल सर्टिफिकेट के ही आधार पर 20 फीसदी अटेंडेंस की छूट मिलेगी। इसके अलावा किसी दूसरी तरह की अनुपस्थिति के लिए कौन्सेलिंग अटेंडेंस का फायदा नहीं मिल पाएगा।

4 सीजीपीए से कम स्कोर प्राप्त करने पर फेल :

हैंडबुक के तहत परीक्षा के रिजल्ट में 4 सीजीपीए से कम स्कोर प्राप्त करने पर फेल माना जाएगा। उन्हें अगले सेमेस्टर में प्रमोट नहीं किया जाएगा। उपस्थिति कम होने पर और फेल होने पर दोबारा प्रवेश नहीं दिया जाएगा। छात्र को फिर से सीयूईटी के तहत बीएचयू में एडमिशन मिलेगा। बीएचयू में सेशनल परीक्षाओं के नियमों में संशोधन किया गया है। दो भाग में 30 अंकों का पेपर होगा।

यूजी-पीजी डिप्लोमा की कॉपियों का नहीं होगा पुनर्मूल्यांकन :

सेमेस्टर परीक्षा के एक पेपर में 70 अंकों के कुल 9 सवाल ही पूछे जाएंगे। परीक्षा 2.30 घंटे की होगी। कॉपियों को चेक करने के लिए 20 प्रतिशत परीक्षकों की नियुक्ति बीएचयू के बाहर से होगी। 14 दिनों में कॉपियों को चेक करना जरूरी होगा। कॉपियों के पुनर्मूल्यांकन के लिए छात्र-छात्राओं को 500 रुपये जमा करने होंगे। पार्ट टाइम यूजी-पीजी डिप्लोमा कोर्स वाले विद्यार्थियों के उत्तर पुस्तिका का फिर से मूल्यांकन नहीं होगा।

रिपोर्टिंग टाइम पर नहीं पहुंचे तो दूसरे को आवंटित होगी सीट :

बीएचयू में अब ऑनलाइन एडमिशन की प्रक्रिया के दौरान ड्राइवयूसेट्स का वेरिफिकेशन नहीं होगा। ये विभाग में रिपोर्टिंग के दौरान ही किया जाएगा। लेकिन, कई अभ्यर्थी रिपोर्टिंग के दिन भी नहीं पहुंच पाते। ऐसे में कई सीटों पर प्रवेश होल्ड हो जाता है। अब फैसला लिया गया है कि जो भी अभ्यर्थी रिपोर्टिंग के दौरान विभाग में नहीं पहुंचेंगे, उनका प्रवेश नहीं होगा। उस सीट पर मेरिट में शामिल नए कैंडिडेट को प्रवेश दे दिया जाएगा। ये काम मापअप राउंड के दौरान किया जाएगा।

एंटीबायोटिक की गंभीरता, विकल्प सुझाएगा एआई

ड्रामा सेंटर

वाराणसी, कार्यालय संवाददाता। बीएचयू के ट्रामा सेंटर में एंटीबायोटिक के दुरुपयोग को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रोकेगा। वह मरीज को दी जाने वाली एंटीबायोटिक की गंभीरता को बताएगा। अगर मरीज के लिए एंटीबायोटिक सही नहीं होगी तो डॉक्टरों को विकल्प भी बताएगा। इससे मरीजों को दवाओं के रेजिस्टेंस से बचाया जा सकेगा। प्रदेश में पहली बार ट्रामा सेंटर में एंटीबायोटिक के उपयोग के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जाएगा।

बीएचयू के ट्रामा सेंटर में आईसीयू में भर्ती मरीजों को दी जाने वाली एंटीबायोटिक की रिपोर्ट तैयार की गई है। इसमें मई 2024 से अक्टूबर 2024 तक आईसीयू में भर्ती हुए मरीज शामिल हैं। आईसीयू में भर्ती 111 मरीजों को 379 एंटीबायोटिक दी गई है। इसमें 128 हेवी डोज दी गई। बाकी अन्य एंटीबायोटिक दी गई। कई मरीजों को आठ से दस एंटीबायोटिक भी दी गई। ये काफी महंगी भी थी। इससे कई मरीजों की मृत्यु भी हो गई। ऐसे में मृत्यु दर को कम करने के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग

- उत्तर प्रदेश में पहली बार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का होगा उपयोग
- आईसीयू में भर्ती मरीजों को दी जाने वाली एंटीबायोटिक की तैयार की रिपोर्ट

किया जाएगा। मोबाइल ऐप पर सौ से अधिक एंटीबायोटिक की डिटेल् होगी। मरीजों के मेडिकल रिकॉर्ड और एंटीबायोटिक को इस ऐप पर अपलोड किया जाएगा। इसके बाद ऐप ये बताएगा कि मरीज के लिए ये एंटीबायोटिक सही है या नहीं। ट्रामा सेंटर के इंचार्ज प्रो. सौरभ सिंह ने बताया कि ऐप तैयार हो गया है। एक महीने में इसे शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मरीजों की मृत्यु दर और एंटीबायोटिक के रेजिस्टेंस (बेअसर) को कम किया जा सकेगा।

डॉक्टरों का तैयार करेगा रिकॉर्ड : ट्रामा सेंटर में किस डॉक्टर ने कितनी एंटीबायोटिक लिखी इसका रिकॉर्ड भी रहेगा। इसके साथ ही एंटीबायोटिक का डोज क्या रहेगा इसके बारे में भी जानकारी मिल सकेगी। प्रो. सौरभ सिंह ने कहा कि एंटीबायोटिक काफी महंगी मिलती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से पारदर्शिता भी आएगी।

बीएससी मेडिकल टेक्नोलॉजी की फीस 27 हजार रुपये

वाराणसी। बीएचयू में अगले सत्र से रेडियो डायग्नोसिस एंड इमेजिंग विभाग और व में शुरू हो रहे बीएससी एमआरआईटी और बीएससी मेडिकल टेक्नोलॉजी कोर्स की फीस 27 हजार रुपये होगी। इसमें एकेडमिक फीस 500 रुपये, डेवलपमेंट फीस 1500 रुपये और स्पेशल कोर्स फीस 25 हजार रुपये तक तय की गई है। वहीं वेटनरी साइंस एमबीएससी कोर्स की फीस 75 हजार रुपये रखी गई है। ये फैसला तीन जनवरी को बीएचयू की एकेडमिक काउंसिल की बैठक में लिया गया है। इसमें एकेडमिक और डेवलपमेंट फीस 12,500 रुपये, वहीं पेड सीट फीस 50 हजार रुपये होगी। ब्यूरो

52

बीएचयू में आज से पीएचडी के लिए आवेदन संभव

वाराणसी। बीएचयू में आज से पीएचडी के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हो सकता है। करीब 1500 सीटों पर प्रवेश के लिए फॉर्म भरने की लिंक खुल सकती है। बीएचयू के परीक्षा नियंत्रण विभाग की ओर से इसकी पूरी तैयारी कर ली गई है। पहली बार बीएचयू के चारों संबद्ध कॉलेजों के भी 120 से ज्यादा सीटों पर प्रवेश होगा। बता दें कि नेट-जेआरएफ परीक्षा का रिजल्ट बीते साल 18 अक्टूबर को ही जारी हो गया था। इसी के बाद बीएचयू में पीएचडी आवेदन को लेकर तैयारी शुरू हो गई। लेकिन छात्रों के विरोध, मध्यस्ता, नेट-जेआरएफ रिजल्ट का डेटा प्राप्त करने के लिए एनटीए के साथ एमओयू और बीएचयू के कुलपति की अनुमति और परीक्षा नियंत्रक बदले जाने से आवेदन की प्रक्रिया में करीब ढाई महीने की देरी हो गई। संवाद

52

घाटों की संस्कृति से निकला भारतेन्दु का साहित्य

भारतेन्दु हरिश्चंद्र की 140वीं पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर घाटवाँक विवि ने किया नमन



भारतेन्दु भवन में आयोजित संवाद सत्र में उपस्थित घाटवाँक विश्वविद्यालय के सदस्य।

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू के न्यूरोलॉजिस्ट प्रो. विजय नाथ मिश्र ने कहा कि अल्पायु में ही भारतेन्दु बाबू ने अपने समृद्ध साहित्य के माध्यम से सांस्कृतिक पुरुष का दर्जा हासिल किया। काशी के लिए भारतेन्दु बाबू सांस्कृतिक विरासत हैं। भारतेन्दु बाबू और उनका साहित्य अमूल्य निधि के स्वरूप हैं

जिनका मूल स्वर घाटों की संस्कृति से ही निकला है।

वह रविवार को भारतेन्दु हरिश्चंद्र की 140वीं पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर भारतेन्दु भवन में आयोजित संवाद को संबोधित कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय काशी घाटवाँक विश्वविद्यालय की ओर से विरासत संवाद के क्रम में भारतेन्दु हरिश्चंद्र के पैतृक आवास भारतेन्दु भवन में बनारस,

हिंदी और भारतेन्दु विषय पर संवाद हुआ।

अध्यक्षता करते हुए साहित्यकार प्रो. श्रीप्रकाश शुक्ल ने कहा कि भारतेन्दु बाबू काशी से संस्कार ग्रहण करते थे और हिंदी के माध्यम से विचार करते थे। संगीत के घराने के समानांतर भारतेन्दु बाबू ने मंडल की स्थापना की। काशी को लेकर उनके मन में बहुत प्यार था।

वे कहते थे कि तीर्थों में सर्वश्रेष्ठ तीर्थ प्रयाग है और पुरियों में सर्वश्रेष्ठ पुरी काशी है। नाट्यकर्मी नरेंद्र आचार्य ने कहा कि भारतेन्दु बाबू तमाम विपरीत परिस्थितियों में भी वे राष्ट्र की चिंता करते रहते थे।

आलोचक प्रो. कमलेश वर्मा ने कहा कि हिंदी साहित्य में बहुत कम नायक हुए हैं और भारतेन्दु बाबू हिंदी के कुछेक नायकों में से एक हैं जिनको केंद्र में रखकर हिंदी आगे बढ़ी। डॉ. विंध्याचल यादव, अष्टभुजा मिश्र ने विचार रखे। संचालन अश्वत पांडेय और धन्यवाद ज्ञापन शैलेश तिवारी ने किया। स्वागत वक्तव्य दीपेश चौधरी ने दिया।

कश्मीर, लद्दाख, त्रिपुरा समेत आठ राज्यों के छात्रों की बढ़ेगी संख्या



मिलेगा हॉस्टल

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के एकेडमिक काउंसिल को मिला खास प्रस्ताव

वाराणसी। बीएचयू में अगले सत्र से जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर समेत कुल आठ राज्यों के छात्रों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके लिए उन्हें बीएचयू के हॉस्टल आवंटन में उच्च वरीयता दी जाएगी। इनकी घरों की दूरी को देखते हुए प्राथमिकता भी मिलेगी। साथ ही बीएचयू द्वारा भविष्य में उन राज्यों के छात्रों के लिए स्कॉलरशिप की सुविधा भी शुरू की जा सकती है। अभी तक इन आठ राज्यों से यूजी-पीजी को मिलाकर सिर्फ 60 के आसपास ही छात्र प्रवेश लेते हैं।

बीएचयू की एकेडमिक काउंसिल में रखे गए केंद्रीय प्रवेश समिति के प्रस्तावों

पर लंबी चर्चा की गई। इसमें बताया गया कि बीएचयू में देश भर के अभ्यर्थी प्रवेश लेते हैं, लेकिन इनमें जम्मू कश्मीर, लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम और मेघालय के छात्रों की संख्या काफी कम होती है। इन राज्यों के छात्र और छात्राओं को उच्च शिक्षा से जोड़कर बीएचयू परिसर की क्षेत्रीय विविधता को बेहतर किया जाएगा।

बीएचयू में सेंट्रल एडमिशन कमेटी के चेयरमैन प्रो. भास्कर भट्टाचार्य ने बताया कि इन राज्यों के अभ्यर्थियों को बीएचयू में पढ़ने का बेहतर मौका दिया जाएगा। इन छात्र और छात्राओं के बीएचयू में आने से कैंपस की एकेडमिक स्थिति में विविधता बरकरार रहेगी। इन्हें हॉस्टल में प्रवेश और वित्तीय मदद देकर बीएचयू में दूरदराज वाले छात्रों को वरीयता दी जा सकती है।

यूपी बीच वॉलीबॉल टीम के कोच बने डॉ. रॉबिन सिंह 52

वाराणसी। राष्ट्रीय खेल 2025 उत्तरखंड में
खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता के लिए यूपी बीच
वॉलीबॉल टीम के कोच
की घोषणा कर दी गई है।

यूपी वॉलीबॉल
एसोसिएशन के अवैतनिक
महासचिव सुनील तिवारी
ने बीएचयू क्रीड़ा परिषद
के सहायक निदेशक डॉ.



डॉ. रॉबिन सिंह

रॉबिन सिंह को यूपी टीम का कोच नियुक्त किया
है। रॉबिन सिंह ने बताया कि चयनित यूपी टीम
के खिलाड़ी बीएचयू के छात्र हैं। संवाद

बीएचयू : तीन विभागों ने 5 साल में नाशते में खर्च कर दिए 9.10 लाख

भारटीआई में हुआ खुलासा, 1012 पेज में है बॉटनी विभाग के नाशते खर्च का डिटेल, जंतु विज्ञान में कोविड काल में दो लाख खर्च

माई सिटी रिपोर्टर

5 साल में विभागवार खर्च

वाराणसी। बीएचयू में विज्ञान संस्थान के तीन विभागों ने पांच साल में 9.10 लाख खर्च कर दिए। इनमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और जूलॉजी विभाग टॉप पर हैं। वहीं, जंतु विज्ञान विभाग ने कोविड काल के दौरान दो लाख रुपये से ज्यादा का जलपान कर लिया।

जबकि, कोविड के बाद दो साल में सिर्फ डेढ़ लाख रुपये ही खर्च हुए। वनस्पति विज्ञान विभाग के जलपान खर्च का विवरण 1012 पेज और भूगोल विभाग का 195 पेज में है।

इसका खुलासा राजवारी निवासी संजय सिंह की आरटीआई में हुआ है। उन्होंने बीएचयू से सवाल पूछा था कि सभी विभागों का पिछले पांच साल में यानी कि 2020 से लेकर अब तक के जलपान पर खर्च का विवरण वर्षवार और विभागवार देने का कष्ट करें। पूरे कैम्पस में 32 विभागों ने जानकारी दी और 14 विभागों के ही खर्च का विवरण मिल सका। जबकि भूगोल और वनस्पति विज्ञान समेत

| | |
|-----------------------|--------------|
| रेडियोथेरेपी विभाग | 51,638 रुपये |
| जियो फिजिक्स विभाग | 45,383 रुपये |
| एनेस्थेसियालॉजी विभाग | 40,204 रुपये |
| मेडिसिन | 38,747 रुपये |
| बायो केमिस्ट्री | 35,194 रुपये |

18 विभागों के जलपान खर्च का कोई डिटेल नहीं मिला।

जंतु विज्ञान विभाग पांच साल में 4.66 लाख रुपये का नाशते कर विश्वविद्यालय में टॉप पर रहा। इसके बाद भौतिक विज्ञान विभाग ने 2.62 लाख रुपये का जलपान किया। तीसरे स्थान पर रसायन विभाग ने 18.1 लाख रुपये नाशते पर खर्च किए। सबसे कम 1005 रुपये आईएमएस के पंचकर्म विभाग ने खर्च किए।

आईएमएस बीएचयू के विभागों ने कहा- ऐसा कोई खर्च नहीं

आरटीआई के जवाब में आईएमएस बीएचयू के 16 विभागों ने कोई विवरण या बिल नहीं दिया। जवाब में लिखा कि ऐसा कोई खर्च नहीं है।

एनजीटी की लताड़ के बाद भी बीएचयू में कटे पेड़ मिले

वाराणसी। एनजीटी की लताड़ के बाद भी बीएचयू कैंपस में कृषि विज्ञान संस्थान के पास कटे हुए पेड़ दिख रहे हैं। रविवार को सड़क के दोनों ओर कटे हुए पेड़ के लट्ठ रखे थे।

गेट के बाहर 20 मीटर के क्षेत्र में दोनों ओर पेड़ की **पेड़ के तने पर सफेद** डालियां बिखरी हैं। यही **और लाल रंग का लगा** नहीं पेड़ के तने पर **पेंट भी दिख रहा** सफेद और लाल रंग का लगा पेंट भी दिख रहा है। यह पेंट नाइट ट्रैफिक के संकेत का काम करते हैं।

इस मामले को लेकर बीएचयू के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राजेश सिंह ने बताया कि उनको ऐसी कोई जानकारी नहीं है। इससे पहले बीएचयू में चंदन के सात समेत कुल 26 पेड़ों को काटने को लेकर एनजीटी ने संज्ञान लिया था। एनजीटी के आदेश पर बीएचयू के रजिस्ट्रार प्रो. अरुण कुमार सिंह पर मुकदमा भी दर्ज हुआ। ब्यूरो

vei mtkvk ekb7 flVh ist 2